मूल्य 1 रु.
वर्ष: 11 - अंक : 136, मुंबई, मंगलवार, 13 जुलाई, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त
अब हर सच होगा उजागर

महाविकास अघाड़ी में दरार

एनसीपी चीफ ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष को कहा

'छोटा आदमी'

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) चीफ शरद पवार का महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले को लेकर बेहद हैरान करने वाला बयान सामने आया है। एनसीपी चीफ ने पटोले को 'छोटा आदमी' कहकर संबोधित किया है। शरद पवार का यह शब्द नाना पटोले द्वारा डिप्टी सीएम अजित पवार को लेकर की गई एक टिप्पणी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पुणे में 'एनसीपी' का नहीं 'कांग्रेस' का गार्जियन मंत्री होना चाहिए।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

शरद पवार बोले-मैं छोटे लोगों की बात में नहीं पड़ता

पवार ने कहा-मैं सिर्फ सोनिया गांधी की बात का जवाब दूंगा

एमएमआर में 4 दिन का ऑरेंज

अलर्ट

मुंबई, ठाणे और पालघर में भारी बारिश का अनुमान

संवाददाता

मुंबई। मुंबई सहित राज्य के कुछ हिस्सों में मॉनसून ने अपने निर्धारित समय से एक दिन पहले 9 जून को जोरदार दस्तक दी थी। लेकिन, इसके बाद कई दिन से मॉनसून सुस्त पड़ गया। अब फिर मानसून जोर पकड़ता दिखाई दे रहा है। क्षेत्रीय मौसम विभाग ने एमएमआर रीजन के लिए 4 दिन का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मुंबई सहित ठाणे और पालघर इलाके में गुरुवार तक भारी बारिश होने का अनुमान जताया है।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

बीजेपी के अविवाहित नेताओं पर नवाब मलिक का तंज

नो चाइल्ड पॉलिसी लाएं सीएम योगी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की नई जनसंख्या नीति को ही कठघरे में खड़ा कर दिया है। नवाब मलिक ने भारतीय जनता पार्टी के अविवाहित नेताओं पर निशाना साधते हुए सीएम योगी को 'नो चाइल्ड पॉलिसी' लाने की सलाह दे डाली। मलिक यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेता अक्सर ज्यादा बच्चे पैदा करने के बयान देते रहते हैं, ऐसे में योगी आदित्यनाथ को ज्यादा बच्चे पैदा करने की पॉलिसी लानी चाहिए।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

'बीजेपी नेता ज्यादा बच्चे पैदा करने की देते हैं सलाह'

नवाब मलिक ने कहा-ऐसा कानून पहले ही बनाया जा चुका है जिसमें दो बच्चों से ज्यादा होने पर नगर निगम चुनाव नहीं लड़ने देने का प्रावधान है। नवाब मलिक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के ज्यादातर नेता साक्षी महाराज जैसे ज्यादा बच्चे पैदा करने की सलाह देते हैं, ऐसे में योगी आदित्यनाथ को ज्यादा बच्चों की पॉलिसी बनानी चाहिए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

जनसंख्या की चिंता

अपने देश में क्षेत्रफल के मामले में चौथे स्थान पर और आबादी में अव्वल उत्तर प्रदेश ने अगर जनसंख्या नीति 2021-30 का एलान किया है, तो यह हर तरह से स्वागतयोग्य और अनुकरणीय है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विश्व जनसंख्या दिवस के मौके जनसंख्या नीति का एलान कर जिस गंभीरता का एहसास कराया है, उसके आलोक में उत्तर प्रदेश अपना भविष्य संवार सकता है। मुख्यमंत्री ने दोटूक स्वीकार किया है कि बढ़ती आबादी विकास की राह में बाधक हो सकती है और इस पर समय-समय पर चिंता का इजहार होता रहा है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ होंगे, जो यह मानेंगे कि आबादी विकास का कारण भी बन सकती है, लेकिन आम तौर ज्यादातर विशेषज्ञ भारत की जमीनी हकीकत के मद्देनजर यही बताएंगे कि जरूरत से ज्यादा आबादी किसी भी राज्य के पांव में बेड़ियां डाल सकती है। उत्तर प्रदेश के साथ यही होता आ रहा है। बढ़ती आबादी ने राज्य के संसाधनों पर जरूरत से ज्यादा दबाव बना रखा है। खासकर दक्षिण भारत के जिन राज्यों ने बेहतर जनसंख्या नीति को अंजाम तक पहुंचाया है, वह आज लाभ देख रहे हैं। उत्तर प्रदेश को भी आगामी दस वर्षों में विकास के मोर्चे पर तेजी से आगे बढ़ते हुए आबादी को संभालना होगा। आज प्रदेश, देश और दुनिया जिस कठिन दौर से गुजर रही है, चीन इत्यादि कुछ देशों को छोड़कर कहीं भी जनसंख्या बढ़ना खतरे से खाली नहीं है। जनसंख्या स्थिर करना जरूरी है। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्य आगामी दस साल में जनसंख्या स्थिर भी कर लें, तो उनके विकास के पैमाने खुशहाली का संकेत देने लगेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने लगे हाथ जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का उद्घाटन किया है, तो कोई आश्चर्य नहीं। यह प्रदेश सरकार ही नहीं, समाज और आम लोगों को समझ लेना चाहिए कि उनकी गरीबी का एक बड़ा कारण जनसंख्या भी है। उत्तर प्रदेश में वाकई युद्ध स्तर पर प्रजनन दर कम करने की जरूरत है। फिलहाल प्रजनन दर 2.9 है। राज्य सरकार का लक्ष्य इसे कम करके 2.1 पर लाना है, यह लक्ष्य मुश्किल नहीं है। दो बच्चों के बीच अंतर, कुपोषण से मुक्ति, परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत जारी गर्भनिरोधक उपायों को पहले की तुलना में ज्यादा जनसुलभ बनाने के इंतजाम सुनिश्चित करने पड़ेंगे। जनसंख्या स्थिर करने के लिए सुरक्षित गर्भपात की व्यवस्था, उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से नवजात व मातृ मृत्यु दर कम करना जरूरी है। जनसंख्या को कम करने के लिए राज्य सरकार ने शिक्षा पर भी यथोचित ध्यान देने का फैसला लिया है, लेकिन सबसे अहम फैसला नौकरी, पदोन्नति, वेतन वृद्धि और अन्य लाभ के मोर्चे पर लिया गया है। दो या उससे कम बच्चों वाले माता-पिता को नियोजित रूप से सहूलियत देकर बढ़ावा देना कारगर सिद्ध होगा। केवल सरकारी कर्मचारी ही नहीं, प्रदेश के आम लोगों को भी जनसंख्या नियंत्रण में भागीदार बनने पर चिकित्सा सुविधा, पानी, आवास, गृह ऋण आदि करों में छूट जैसे लाभ प्रशंसनीय हैं। अब समाज के हर तबके को सोचना पड़ेगा। दक्षिणी राज्यों में जैसे लोगों ने जागरूकता और एकजुटता से अपने लिए तमाम सुविधाओं को संचालित-प्रबंधित किया है, ठीक वैसा ही करने के लिए उत्तर भारतीयों को भी दृढ़ता और हठ का परिचय देना होगा।

शिक्षा को चाहिए तकनीक का सहारा

देश में स्कूली शिक्षा इन दिनों कठिन चुनौतियों का सामना कर रही है। हालांकि यह क्षेत्र कोविड-19 महामारी से पहले भी पढ़ाई के विकट संकट से जूझ रहा था। तब दस साल की उम्र वाले दो में से एक बच्चे में पढ़ने की बुनियादी दक्षता की कमी थी। महामारी ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है, क्योंकि 15.5 लाख स्कूल भौतिक रूप से बंद हो गए हैं। इससे 24.8 करोड़ से अधिक छात्र एक वर्ष से अधिक समय तक कक्षीय पठन-पाठन से वंचित हैं। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में पाया गया है कि स्कूलों के बंद हो जाने के चलते प्राथमिक विद्यालयों के 82 से 92 प्रतिशत छात्रों ने कम से कम एक गणितीय और भाषा कौशल खो दिया है। यह स्थिति शिक्षा में तकनीक को एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल दे रही है। इससे हर बच्चे की शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने में मदद मिलेगी। यद्यपि केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने रेडियो और टेलीविजन कार्यक्रमों, लाइव व्याख्यानों के साथ-साथ ऑनलाइन एप्लीकेशंस के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा और अध्ययन की निरंतरता बनाए रखने के लिए कई प्रयोग किए हैं, परंतु इस दिशा में अभी भी कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं। शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर)-2020 से पता चला है कि घरेलू स्तर पर लगभग 60 प्रतिशत छात्रों के पास ही टेलीविजन और स्मार्टफोन की सुविधा उपलब्ध है।

ऐसे में एक एडु-टेक (तकनीक संचालित शिक्षा) नीति की अनिवार्यता तेजी से स्पष्ट होती जा रही है, ताकि प्रत्येक बच्चे को 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुकूल बनाया जा सके। वैसे हमारी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 शिक्षा के हर स्तर पर तकनीक को एकीकृत करने की बात करती है। इसके लिए एक स्वायत्त निकाय के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच (एनईटीएफ) की स्थापना करने की परिकल्पना भी की गई है। वास्तव में भारत तकनीक आधारित संरचना, बिजली और सस्ती इंटरनेट कनेक्टिविटी तक पहुंच के साथ इस दिशा में छलांग लगाने के लिए तैयार है, जिसे डिजिटल इंडिया

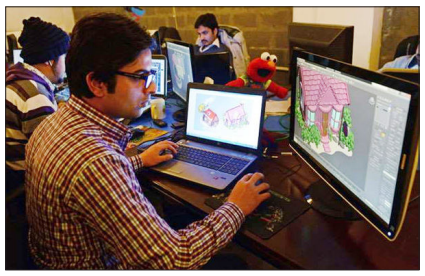

जैसे प्रमुख कार्यक्रमों और शिक्षा मंत्रालय की पहल से प्रोत्साहन मिल रहा है। इसके तहत स्कूली शिक्षा के लिए डिजिटल अवसंरचना (दीक्षा) नामक ओपन सोर्स लर्निंग प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है, जो दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा प्रबंधन सूचना प्रणालियों (ई-एमआइएस) में से एक है। इसमें प्रत्यक्ष रूप से व्यापक संभावनाएं नजर आ रही हैं। एडु-टेक नीति के चार प्रमुख उद्देश्य जैसे-वंचित समूहों की शिक्षा तक पहुंच प्रदान करना, शिक्षण, अध्ययन और मूल्यांकन की प्रक्रियाओं को सक्षम बनाना, शिक्षक प्रशिक्षण को सुगम बनाना, शासन की प्रणालियों-नियोजन, प्रबंधन और निगरानी की प्रक्रियाओं में सुधार करना होना चाहिए। इस पर आगे बढ़ने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। जैसे-तकनीक एक उपकरण है, रामबाण नहीं। इसका उपयोग अध्ययन की सेवा में होना चाहिए। इसके लिए एक योजना बनाई जानी चाहिए। इसके बगैर डिजिटल संरचना प्रदान करने में जोखिम है। तकनीक स्कूलों को प्रतिस्थापित नहीं कर सकती है या शिक्षकों की जगह नहीं ले सकती है। यह शिक्षक बनाम तकनीक नहीं, बल्कि शिक्षक और तकनीक है। तकनीकी समाधान तभी प्रभावशाली होते हैं जब इन्हें शिक्षकों द्वारा अपनाया जाता है और प्रभावी ढंग से इनका लाभ उठाया जाता है। वैसे भी आज भारत में एडु-टेक का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। इस क्षेत्र में अभी 4,500 से अधिक स्टार्ट-अप काम कर रहे हैं। इनका कुल बाजार मूल्य करीब 70 करोड़ डॉलर है। अगले 10 वर्षों में इसका आकार 30 अरब डॉलर पर पहुंच जाने का अनुमान है। जमीनी स्तर अरुणाचल प्रदेश के नामसाई जिले में 'हमारा विद्यालय' और असम का 'करियर मार्गदर्शन' पोर्टल छात्रों की पढ़ाई में सहायक बनकर उभर रहे हैं। गुजरात में 'समर्थ' लाखों शिक्षकों को ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षित कर रहा है। झारखंड का 'डिजीसाथ' अभिभावकों-शिक्षकों-छात्रों के संबंधों में मजबूती ला रहा है। हिमाचल प्रदेश की 'हर घर पाठशाला' बच्चों को डिजिटल शिक्षा प्रदान कर रही है। उत्तराखंड का सामुदायिक रेडियो 'बाइट' प्रारंभिक पठन को बढ़ावा दे रहा है। मध्य प्रदेश का 'डिजीएलईपी' विद्यालयों में शैक्षणिक सामग्री वितरित कर रहा है।

केरल की 'अक्षरवृक्षम पहल' बच्चों का कौशल विकास कर रही है। देश में एडु-टेक को बढ़ावा देने के लिए कई मोर्चों पर एकसाथ कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले देश में एडु-टेक की पहुंच और प्रभाव का आकलन करने के लिए एक खाका तैयार किया जाना चाहिए। इसके अंतर्गत अवसंरचना, शासन, शिक्षकों एवं छात्रों की चुनौतियों की पहचान की जानी चाहिए। लघु से मध्यम अवधि में, इन चुनौतियों को दूर करने के लिए सभी हितधारकों (छात्र, शिक्षक, स्थानीय समुदाय, प्रशासक, क्षेत्र विशेषज्ञ) को शामिल करते हुए नीति निर्माण और योजनाएं बनाई जानी चाहिए। सार्वजनिक-निजी भागीदारी का मॉडल इसमें सहायक हो सकता है। देश में मौजूद डिजिटल खाई को पाटने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। दीर्घ अवधि में, जब सभी योजनाएं पूरे देश में एकसमान रूप से जमीन पर उतर जाएं तो सभी शैक्षणिक सामग्रियों का भंडारण और समय-समय पर उनका परिष्करण करते रहना चाहिए। कुल मिलाकर आज शिक्षा को तकनीक के सहारे की जरूरत है। एडु-टेक नीति देश की शिक्षा तकनीक को पंख लगाने में सक्षम है। इससे सबको समान रूप से गुणवत्तापरक शिक्षा मिलनी सुनिश्चित हो सकेगी। छात्रों में सीखने की प्रक्रिया तेज और अच्छी होगी, शिक्षा की लागत में कमी आएगी और शिक्षकों के समय का बेहतर उपयोग हो सकेगा। इन सबसे अंततः शैक्षिक उत्पादकता बढ़ेगी।

मंत्रालयों को तर्कसंगत बनाने की जरूरत

नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने थे तो उम्मीदों के अलावा कई अच्छी चीजों की चर्चा थी। उम्मीद अच्छे दिन की थी, जिसमें पेट्रोल-डीजल सस्ता होना था, महंगाई खत्म होनी थी, डॉलर सस्ता होना था, रोजगार मिलने थे इत्यादि इत्यादि। इसके अलावा जिन अच्छी चीजों की चर्चा थी उसमें एक गवर्नेंस को बेहतर बनाने की थी, जिसके तहत मंत्रिमंडल का आकार छोटा होना था और मंत्रालयों को तर्कसंगत बनाया जाना था। यह कहा जा रहा था कि सारे विभाग बेहतर तालमेल के साथ काम करें और समग्रता से नीतियां बनाई जा सकें इसके लिए कुछ मंत्रालयों का एक-दूसरे में विलय कराया जाएगा। सात साल में यह हुआ है कि इसकी चर्चा बंद हो गई है और प्रधानमंत्री ने दूसरे कार्यकाल की पहली फेरबदल से यह अच्छा और जरूरी काम होने की संभावना के दरवाजे बंद कर दिए हैं। भारत में 91वें संविधान संशोधन के जरिए 2004 में मंत्रियों की संख्या सीमित की गई थी। उस समय तक केंद्र और राज्यों में कुल मंत्रियों की सीमा तय नहीं थी। तभी बिहार में राबड़ी देवी की सरकार में एक बार

90 मंत्री बना दिए गए थे। ऐसी स्थिति से बचने के लिए संविधान के कामकाज की समीक्षा करने वाली एक समिति, एनसीआरडब्लुसी ने सुझाव दिया था कि मंत्रियों की संख्या सीमित की जाए। इस कमेटी ने सिफारिश की थी संसद और राज्य विधानमंडल के निचले सदन की कुल सदस्य संख्या के 10 फीसदी के बराबर मंत्रियों की संख्या रखी जाए। इस सिफारिश को पूरी तरह से नहीं स्वीकार किया गया और निचले सदन के 15 फीसदी और जहां दोनों सदन हैं वहां कुल संख्या के 10 फीसदी के बराबर मंत्रियों की संख्या तय की गई। इस हिसाब से केंद्र में 81 मंत्री हो सकते हैं। इस पर बहस हो सकती है कि इस तरह से मंत्रियों की संख्या सीमित करना अच्छा विचार है या बुरा, क्योंकि किसी भी संस्थान में काम करने वालों की संख्या तय करने का सिर्फ एक आधार नहीं हो सकता है। यह संख्या जरूरत के मुताबिक होनी चाहिए, जो कम या ज्यादा हो सकती है। हो सकता है कि केंद्र के लिहाज से या उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार जैसे बड़े राज्यों के लिहाज से मंत्रियों की संख्या की तय सीमा ज्यादा लगती हो लेकिन छोटे राज्यों में यह सीमित संख्या मुश्किल भी खड़ी कर सकती है। इसका कारण यह है कि राज्य चाहे छोटा हो या बड़ा उसके काम एक जैसे होते हैं। फिर भी कहा जा सकता है कि बुनियादी रूप से मंत्रियों की संख्या सीमित करना, भारत जैसे देश में एक अच्छा विचार साबित हुआ है। हालांकि मंत्रियों की संख्या सीमित किए जाने के बाद राज्यों में संसदीय सचिव नियुक्त करके इससे बचने का रास्ता निकाला गया। बहरहाल, मंत्रियों की संख्या सीमित करने के बाद गवर्नेंस के लिए मंत्रालयों को तर्कसंगत बनाना दूसरा कदम होना चाहिए था।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पालघर में समुद्र किनारे शराब पीने से रोकने पर नाराज युवक ने पुलिसकर्मी पर किया हमला

दो साथी संग हुआ गिरफ्तार

मुंबई। पालघर के चिंचणी बीच पर शराब के नशे में धुत्त एक युवक, ऑन ड्यूटी पुलिसकर्मियों से भिड़ गया। उसने उनके साथ मारपीट और गालीगलौज की। तकरीबन आधे घंटे के प्रयास के बाद उसे किसी तरह से काबू किया गया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी और उसके साथ शराब पी रहे तीन लोगों के खिलाफ शांति भंग करने, पुलिसकर्मियों से मारपीट करने और अराजकता फैलाने का केस दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, घटना रविवार शाम की है। संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए राज्य में वीकेंड पर कड़े प्रतिबंध लागू हैं। समुद्र किनारे जाने पर पाबंदी है। इसके बावजूद ये तीनों बीच किनारे आधे कपड़ों में बैठकर शराब पी रहे थे और हंगामा कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने फोन कर पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और आरोपियों को कड़ी मशक्कत के बाद पकड़ा।

पुणे में भी पर्यटकों के खिलाफ कार्रवाई

पुणे के सिंहगढ़ किले पर घूमने पहुंचे 177 लोगों पर भी रविवार को इसी तरह की कार्रवाई हुई है। यहां पिछले महीने भीड़ की कुछ तस्वीरें सामने आने के बाद वीकेंड पर सैलानियों के यहां आने पर पाबंदी लगा दी गई है। इसके बाद कई सौ लोग रविवार को यहां घूमने पहुंचे थे। जिन लोगों पर पुलिस ने केस दर्ज किया है, उन्होंने सोशल डिस्टेंसिंग के नियम नहीं फॉलो किए थे। इनमें से ज्यादातर ने मास्क भी नहीं पहना हुआ था। इन सभी पर 500 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। पुणे ही नहीं राज्य के लगभग सभी पर्यटन केंद्रों पर रविवार और शनिवार के लिए कड़ी पाबंदियां लगी हुई है।

लॉकडाउन में लगातार टूट रहे हैं नियम

संक्रमण की तीसरी लहर के खतरे के बीच उत्तराखंड, हिमाचल, गोवा सहित कई राज्यों में घूमने के लिए बड़ी संख्या में टूरिस्ट पहुंच रहे हैं। सैलानियों के मास्क न पहनने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न करने से कोरोना वायरस की तीसरी लहर के जल्द आने के खतरा बढ़ रहा है। पिछले कुछ समय में देश में कोरोना के मामले कम हुए तो राज्यों ने ढील देनी शुरू की है।

पानी पुरवठा विभाग की लापरवाही से हजारों लीटर पानी हो रहा है बर्बाद

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। जहां एक और शहरवासी पानी के लिए तरस रहे हैं शहर में पानी की बढ़ती किल्लत के कारण लोग खरीद कर पीने का पानी पीने के लिए मजबूर हैं, ऐसी में ही पानी पुरवठा विभाग के निकट एक पाइप टूट जाने से हजारों लीटर पीने का पानी नाले में जा रहा है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार लोगों का कहना है कि यह जो पानी का पाइप टूटा है इसमें से हजारों लीटर पानी तकरीबन दो महीने से ऐसी ही बहकर रोज नाले में जा रहा है। जबकि पानी पुरवठा विभाग बगल में ही है इनके कर्मचारी ने जब देखा कि पानी का पाइप टूटा है तब इन लोगों ने काम को सही तरह से करने के बजाय खाली पाइप को रबर से लपेट दिया। इस पर जब पानी नहीं रुका तो इन कर्मचारी ने टूटा हुवा पाइप पर गोनी डाल दी, ताकि रोज बहता हुवा पीने का पानी लोगों को दिखाई न दे। यह पानी विभाग के कर्मचारी इतनी लापरवाही करते हैं। इन कर्मचारी को काम में लीपा पोती करने की आदत पड़ गई है। पानी विभाग के अधिकारी बस तंबाकू खाने का काम करते हैं तो हम मनपा प्रशासन के पानी पुरवठा विभाग के अधिकारी से निवेदन है कि जल्द से जल्द इस टूटे हुए पाइप की मरम्मत कराए ताकि पीने का पानी जो बेफिजूल नाले में जा रहा है वह न जाए और शहर वासियों को पीने का पानी मिलने में कोई दिक्कत नहीं आए, यह आपसे निवेदन है।

हिरासत में स्टैन स्वामी की मौत को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता: राउत

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले में आरोपी स्टैन स्वामी की हिरासत में मौत को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता, भले ही माओवादी 'कश्मीरी अलगाववादियों से ज्यादा खतरनाक' हों। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में अपने साप्ताहिक स्तंभ 'रोखठोक' में राउत ने हैरानी जताई कि क्या भारत की नींव इतनी कमजोर है कि 84 साल का बुजुर्ग व्यक्ति उसके खिलाफ जंग छेड़ सकता है और कहा कि मौजूदा सरकार की आलोचना करना देश के खिलाफ होना नहीं है। स्वामी (84) संभवतः भारत में सबसे बुजुर्ग व्यक्ति होंगे, जो आतंकवाद के आरोपी थे। उनका हाल में मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया था। स्वास्थ्य आधार पर उनकी जमानत का मामला अदालत में लंबित था। 'सामना' के कार्यकारी संपादक राउत ने कहा, 84 वर्षीय दिव्यांग व्यक्ति से डरी सरकार चरित्र में तानाशाह है, लेकिन दिमाग से कमजोर है। एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले में वरवर राव, सुधा भारद्वाज, गौतम नवलखा और अन्य की गिरफ्तारी के संदर्भ में उन्होंने कहा कि एल्गार परिषद की गतिविधियों का समर्थन नहीं किया जा सकता, लेकिन बाद में जो हुआ उसे 'स्वतंत्रता पर नकेल कसने की एक साजिश' कहा जाना चाहिए।

(पृष्ठ 1 का शेष)

महाविकास अघाड़ी में दरार

रविवार को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले ने पुणे में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि पुणे के गार्जियन मंत्री के रूप में किसी 'अपने व्यक्ति' (कांग्रेस के नेता) की नियुक्ति होनी चाहिए। अभी कोई बारामती से है, क्या वो हमारा काम कर रहा है? आप (कांग्रेस कार्यकर्ता) कमजोर ना पड़ें, अपनी ताकत बढ़ाएं ताकि हम अपने व्यक्ति को नियुक्त कर सकें। बता दें कि वर्तमान में पुणे के गार्जियन मंत्री उपमुख्यमंत्री अजित पवार हैं। मीटिंग के दौरान कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यह सवाल उठाया था कि पुणे के गार्जियन मिनिस्टर उनकी सहायता नहीं कर रहे हैं और समितियों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की नियुक्ति नहीं हो रही है। इसी पर नाना पटोले ने यह बात कही है। सोमवार को शरद पवार ने कहा कि मैं इन बातों में नहीं पड़ता हूं, 'ये छोटे लोग हैं।' मैं इस पर क्यों बोलूं, अगर सोनिया गांधी कुछ कहती हैं, तब मैं अपनी बात कहूंगा। शरद पवार ने कहा कि हर पार्टी को अपना बेस बढ़ाने का अधिकार है, लेकिन मुख्य बात ये है कि सरकार चलाने के मसले पर तीनों पार्टियां ही साथ हैं। नए विधानसभा अध्यक्ष को लेकर जारी अटकलों के बीच रविवार को एनसीपी चीफ शरद पवार ने स्पष्ट कर दिया कि अगला विधानसभा अध्यक्ष भी कांग्रेस पार्टी से ही होगा। यह पद कांग्रेस के नाना पटोले के इस्तीफे के बाद से खाली है। राज्यपाल भगत सिंह कोशियारी ने जल्द से इसे भरने की बात कही है। हाल में हुए विधानसभा के मानसून अधिवेशन में अध्यक्ष पद का चुनाव कराए जाने की चर्चा थी, परंतु सत्र सिर्फ दो ही दिन का था, इसलिए चुनाव नहीं हो पाया। रविवार को एनसीपी चीफ ने कहा, तीनों पार्टियों (शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस) ने फैसला किया है कि नया विधानसभा अध्यक्ष कांग्रेस से ही होगा। कांग्रेस प्रत्याशी को लेकर जो भी फैसला करेगी, हम उसका समर्थन करेंगे। इससे पहले चर्चा थी कि शिवसेना विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए अपना दावा ठोक सकती है।

एमएमआर में 4 दिन का ऑरेंज अलर्ट

बता दें कि दक्षिणी पश्चिमी मॉनसून ने फिर करवट बदली है। दबाव, हवा और उसकी गति मॉनसून के अनुकूल है। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। इसको देखते हुए मौसम विभाग ने मुंबई, ठाणे और पालघर जिले में गुरुवार तक के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया है। क्षेत्रीय मौसम विभाग जे उपनिदेशक जयंत सरकार ने इस अलर्ट की पुष्टि करते हुए बताया कि कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम, तो कुछ जगहों पर भारी बारिश का अनुमान है। इन 4 दिन में अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान जयंत ने लगाया है।

बीजेपी के अविवाहित नेताओं पर नवाब मलिक का तंज

नई जनसंख्या नीति पर नवाब मालिक ने कहा महाराष्ट्र में पहले से 2 चाइल्ड पॉलिसी है। मलिक ने सलाह देते हुए कहा कि सीएम योगी को ज्यादा बच्चे पैदा करने की पॉलिसी लाना चाहिए या फिर नो चाइल्ड पॉलिसी लाना चाहिए। कुछ बीजेपी नेता चाहते है कि ज्यादा बच्चे पैदा हों तो ज्यादा चाइल्ड पॉलिसी लाना चाहिए। वहीं उन्होंने बीजेपी के नेताओं और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी के नेता और आरएसएस के ज्यादातर लोग अविवाहित हैं ऐसे में योगी आदित्यनाथ को नो चाइल्ड पॉलिसी लानी चाहिए। ताकि जिनके बच्चे नहीं हैं उनको प्रोत्साहन मिले। जहां तक टू चाइल्ड पॉलिसी की बात है ये पहले से ही महाराष्ट्र और देश के अन्य राज्यों में मौजूद है।

मुंबई में हुआ डॉ कृष्णा चौहान द्वारा लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 का भव्य आयोजन

शिवसेना सांसद राहुल शेवाले, दादा साहेब फाल्के के ग्रैंडसन चंद्रशेखर पुसाल्कर, अनु मलिक, अनूप जलोटा, गजेंद्र चौहान, मुकेश ऋषि जैसी हस्तियों ने की शिरकत

मुंबई। बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर और लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड के फाउंडर डॉक्टर कृष्णा चौहान ने आज 11 जुलाई 2021 को मेयर हॉल जूहू, मुम्बई में लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 भव्य पैमाने पर आयोजित किया। इस अवार्ड फंक्शन में बहुत सारी सेलेब्रिटीज ने शिरकत की। दक्षिण मध्य मुंबई चेम्बूर से शिवसेना सांसद राहुल शेवाले यहां मुख्य अतिथि के रुप में मौजूद रहे। इस पुरस्कार समारोह में दादा साहेब फाल्के के ग्रैंडसन चंद्रशेखर पुसाल्कर भी चीफ गेस्ट के रूप में मौजूद थे। साथ ही मशहूर संगीतकार अनु मलिक, पद्मश्री अनूप जलोटा, गजेंद्र चौहान, मुकेश ऋषि, एक्टर सिद्धार्थ निगम, अरुण बख्शी, अनिल नागराथ, गीतकार सुधाकर शर्मा को भी इस पुरस्कार से नवाजा गया। इस अवार्ड फंक्शन के स्पेशल गेस्ट थे साउथ सिनेमा के मशहूर एक्टर सुमन तलवार जो खास तौर पर बेंगलुरू से मुम्बई आए थे। उन्होंने शिवाजी द बॉस और गब्बर इज बैक जैसी काफी फिल्मों में अपनी अदाकारी का जादू दिखाया है। इंटरनेशनल सेलेब्रिटी एंकर सिमरन आहूजा ने इस अवार्ड शो को होस्ट किया जबकि इंटरनेशनल परफॉर्मर शीरीन फरीद की स्टेज परफॉर्मेंस ने सबका दिल जीत लिया। उल्लेखनीय है कि केसीएफ प्रेजेंट्स लेजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा पुरुस्कार है। आपको बता दें कि कृष्णा चौहान मुंबई में लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड मई 2021 में कराने वाले थे मगर कोरोना काल और लॉकडाउन की वजह से ये अवार्ड फंक्शन उस समय नहीं हो पाया। इसी लिए यह अवॉर्ड रविवार 11 जुलाई को शानदार ढंग से किया गया। डॉ कृष्णा चौहान की ओर से 26 दिसंबर 2021 को बोलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2021 का आयोजन भी किया जाएगा। गौरतलब है कि डॉ कृष्णा चौहान इसी साल 28 फरवरी को बोलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2021 का सफल आयोजन करा चुके हैं। गौरतलब है कि डॉ कृष्णा चौहान का एनजीओ/ ट्रस्ट है जिसका नाम कृष्णा चौहान फाउंडेशन है। इस संस्था के अंतर्गत गरीबों और जरूरतमंदों में भोजन का वितरण और भगवतगीता का वितरण किया जाता है। डॉ कृष्णा चौहान खुद एक सामाजिक कार्यकर्ता है, जो लोगो की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ कृष्णा चौहान एक फिल्म निर्देशक हैं जो गोरखपुर यूपी के रहने वाले हैं और मुंबई में 18 वर्षों से रह रहे हैं। इन वर्षों में डॉ कृष्णा चौहान ने बॉलीवुड के कई मशहूर निर्देशकों को असिस्ट किया और आज डॉ कृष्ण चौहान किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। डॉ कृष्ण चौहान को आज पूरा बॉलीवुड जानता है। डॉ कृष्णा चौहान की एक हिंदी फिल्म 'जीना नही तेरे बिना' रिलीज के लिए तैयार है। उनका एक हिंदी एल्बम 'जिक्र तेरा' भी रिलीज होने वाला है। उन्हें उनकी हिंदी शार्ट फिल्म के लिए बेस्ट निर्देशक का पुरस्कार भी मिल चुका है। डॉ कृष्ण चौहान आज जो भी हैं अपनी कड़ी मेहनत की वजह से हैं। बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले डॉ कृष्णा चौहान फिल्म निर्देशक होने के हाथ साथ अवार्ड फंक्शन का आयोजन भी करते रहते हैं। साथ ही वह कृष्णा चौहान फाउंडेशन भी संचालित करते हैं। डॉ कृष्णा चौहान एक ऐसी हस्ती का नाम है जिन्होंने अपने जन्मदिन पर लोगो में राशन किट बाटे। वह 'कर भला तो हो भला' और 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' पर यकीन रखते हैं।

लोकल में सफर को करना होगा इंतजार
बढ़ सकता है दुकानों का समय

मुंबई। लोकल ट्रेन में सफर के लिए मुंबईकरों को अभी और इंतजार करना होगा। कोरोना की तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए बीएमसी अभी आम लोगों को सफर में छूट देने के मूड में नहीं है। वहीं, 15 जुलाई के बाद मुंबई में दुकानदारों को राहत मिल सकती है। बीएमसी दुकान बंद करने के समय में बढ़ोत्तरी कर सकती है। व्यापारी इसकी मांग कर रहे हैं। लोकल ट्रेन में आम लोगों को सफर करने की छूट मिलना अभी मुश्किल है। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने कहा, 'सिर्फ मुंबई ही नहीं, पूरे एमएमआर के हालात को देखकर कोई निर्णय लिया जाएगा, क्योंकि बड़े पैमाने पर लोग बाहर से भी मुंबई आते हैं। इससे मुंबई के लोग प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकते। हालांकि इस पर अंतिम फैसला राज्य सरकार को लेना है। टास्क फोर्स क्या सुझाव देती है, उसका इंतजार करना होगा।' दूसरी तरफ, कोरोना पर नजर रखने वाली राज्य सरकार की तरफ से गठित टास्क फोर्स से इस मुद्दे पर अब तक कुछ पूछा ही नहीं गया है। राज्य टास्क फोर्स के सदस्य डॉ. राहुल पंडित ने बताया, 'हमारी पिछली बैठक में लोकल ट्रेन आम लोगों के लिए शुरू करने का मुद्दा ही नहीं उठा। अगली बैठक में यदि सरकार हमसे पूछती है, तो हम अपनी राय देंगे। अंतिम निर्णय लेना सरकार का काम है।' सुरेश काकानी ने बताया, 15 जुलाई को बीएमसी की बैठक होगी। उसमें सरकारी व निजी कार्यालयों में 100 प्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति और दुकान खोलने व बंद करने का टाइम बढ़ाने सहित कई अन्य छूट देने की घोषणा की जा सकती है। इससे दुकानदारों को बड़ी राहत मिलेगी। बता दें कि मुंबई में अभी दुकान बंद करने का समय दिन में 4 बजे है। व्यापारी इसे बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

महाराष्ट्र को हर महीने कोविड रोधी टीके की तीन करोड़ खुराक की जरूरत: टोपे

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस से बचाव के लिए राज्य की पूरी पात्र आबादी का जल्द से जल्द टीकाकरण करने के लिए प्रति माह कोविड रोधी टीके की कम से कम तीन करोड़ खुराक की जरूरत होगी। टोपे ने कहा कि राज्य की प्रतिदिन 15 लाख लोगों के टीकाकरण की क्षमता है लेकिन 'टीकों की कमी के कारण' अभी एक दिन में केवल दो या तीन लाख लोगों को ही टीका लग पा रहा है। मंत्री ने कहा, 'तीन दिन पहले, हमें टीके की सात लाख खुराक मिलीं। आज दिन खत्म होने के साथ ही यह खेप भी खत्म हो जाएगी। अब तक हमें टीके की 3.60 करोड़ से अधिक खुराक मिली हैं जिनमें से करीब 25 लाख खुराक की राज्य सरकार ने सीधी खरीद की है।' आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक रविवार तक राज्य में टीके की कुल 3,65,25,990 खुराक की खपत हुई। राज्य में टीकों के अभाव के बारे में एक सवाल के जवाब में टोपे ने कहा, 'हम अपनी क्षमता से कम काम कर पा रहे हैं।' उन्होंने कहा कि टीकों की ठीक तरह से आपूर्ति होती है तो पूरी पात्र आबादी के टीकाकरण का लक्ष्य जल्द से जल्द प्राप्त किया जा सकेगा।

गेटवे ऑफ इंडिया के पास समुद्र में गिरी महिला

50 साल के शख्स ने लगाई छलांग

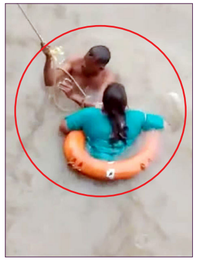

मुंबई। गेटवे ऑफ इंडिया के पास सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां किनारे लहरों को देखने गई महिला अचानक से समुद्र में गिर गई। इस पर जान बचाने के लिए 50 साल के एक शख्स ने छलांग लगा दी। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने रस्सी और ट्यूब फेंका। इसके बाद जान बचाने वाले शख्स ने महिला को ट्यूब पहनाया और रस्सी के सहारे सीढ़ियों तक पहुंचे। जान बचाने वाला शख्स गेटवे के नजदीक टूरिस्ट फोटोग्राफर गुलाबचंद गोंड हैं। उधर, चश्मदीदों के मुताबिक, महिला का अचानक संतुलन बिगड़ गया और वह लगभग 20 फीट नीचे पानी में गिर गई।

पुणे में बीच सड़क पर एक शख्स की धारदार हथियार से हत्या

अपनी पिटाई को लेकर नाराज था आरोपी, मोबाइल लोकेशन से पकड़ाया

पुणे। पुणे से सटे पिंपरी चिंचवाड़ में रविवार को एक शख्स की उसके ही पड़ोसी ने धारदार हथियार से काट कर हत्या कर दी। सोमवार को वारदात का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है, जिसमें आरोपी लगातार कई बार बड़े धारदार हथियार से हमला करता हुआ नजर आ रहा है। वीडियो फुटेज और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने आरोपी को 4 घंटे में ही पकड़ लिया। मृतक का नाम कानिफनाथ क्षीरसागर है। रविवार को दोपहर 1.30 बजे वह अपने दोस्त और उसके बच्चे के साथ घर के बाहर खड़ा हुआ था। इसी दौरान आरोपी आकाश जाधव उसके पास पहुंचा और थैले में छिपाकर लाए बड़े धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया। हमले के बाद क्षीरसागर वहां से भागा, लेकिन थोड़ी दूर जाकर गिर गया। सड़क पर गिरने के बाद आकाश ने उस पर ताबड़तोड़ वार किए और फिर पत्थर से उसका सिर कुचल दिया।

आरोपी की पिटाई बनी मर्डर की वजह: जांच में पता चला है कि कानिफनाथ और आकाश दोनों पड़ोसी रह चुके हैं। कुछ दिन पहले आकाश की कुछ लोगों ने पिटाई कर दी थी। आकाश को लगता था कि कानिफनाथ के कहने पर उस पर हमला हुआ था। इसी बात से वह नाराज चल रहा था। पड़ोसियों ने पुलिस को घटना जानकारी दी। क्षीरसागर को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था, लेकिन उसका चेहरा कैमरे में कैद होने की वजह से पुलिस ने उसे पहचान लिया। इसके बाद मोबाइल लोकेशन ट्रेस करके पुलिस ने उसे पकड़ लिया। आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है।

राजस्थान हलचल

आबकारी आयुक्त को पूनम अंकुर छाबड़ा ने आम जन की समस्याओं से अवगत करवाया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जयपुर। आबकारी आयुक्त श्री जोगाराम जी को सम्पूर्ण शराब बंदी आंदोलन जस्टिस फॉर छाबड़ा की राष्ट्रीय अध्यक्षा पूनम अंकुर छाबड़ा ने लिखित में आम जन की समस्याओं से अवगत करवाया। पूनम अंकुर छाबड़ा ने बताया प्रदेश में जब तक सम्पूर्ण शराब बंदी नही होती तब तक मद्द सयंम नीति के अनुसार व आबकारी नीति के तहत शराब की दुकानों का संचालन होना चाहिए। देश के ऐतिहासिक चरित्रों के नाम पर कोई भी शराब का नाम ना हो। हमारे विश्व प्रसिद्ध महाराणा प्रताप जी, हीर राँझा, घूमर, चिरमी, मूमल व ढोला मारू आदि नाम से बिकने वाली शराब के नाम वापस लिए जाएं। आबकारी नीति के अनुसार 10 घण्टे से ज्यादा शराब की दुकान नही खुल सकती है। आज प्रदेश में शराब देर रात उपलब्ध हो रही हैं ऐसी दुकानों के लाइसेंस निरस्त होने चाहिए। ऐसे बहुत सारी समस्याओं की लिखित शिकायत आबकारी आयुक्त श्रीमान जोगाराम जी को दी गई है जिस पर आयुक्त साहब द्वारा तुरंत करवाई करने का आश्वाशन दिया गया है। पूनम ने बताया मीटिंग बहुत ही सकारात्मक रही। पूनम अंकुर छाबड़ा द्वारा आयुक्त महोदय का धन्यवाद किया गया।

समाजवादी पार्टी कौशांबी के कुछ नेता ने अपने निजी स्वार्थ के कारण पार्टी प्रत्याशी का पर्चा दाखिल नहीं किया

कौशाम्बी चायल ब्लॉक में दिलीप प्रजापति भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

कौशाम्बी। चायल ब्लॉक प्रमुख चुनाव 2021 में समाजवादी पार्टी के कुछ नेता ने अपने निजी स्वार्थ के कारण पार्टी प्रत्याशी का पर्चा न दाखिल कर यह साबित कर दिया कि उन्होंने पार्टी को गुमराह कर धोखा देने का काम किया है। दिलीप प्रजापति का निर्विरोध निर्वाचन न होने देने की भी कोशिश की गई 3:15 पीएम मिनट पर कमालपुर निवासी बीडीसी सदस्य सत्येन्द्र कुमार अपनी प्रस्तावक के साथ नामांकन पत्र लेकर पहुंचे थे। एआरओ की टेबल पर पर्चा रखकर पलक झपकते ही वह

गायब हो गए। एआरओ कृष्ण कुमार ने बताया कि इस उम्मीदवार के साथ अनुमोदक भी नहीं था। इसलिए पर्चा निरस्त कर दिया गया है। प्रस्तावक सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक यादव की पत्नी थीं। ऐसे में यह चाल सपाइयों की ही मानी जा रही है। दिलीप प्रजापति का निर्विरोध करवाने के लिए खेल खेला गया। आपको बताते चलें दिलीप प्रजापति का निर्विरोध होते ही कुछ समाजवादी पार्टी के नेता बधाई देने पहुंच गए.समर्थकों ने ब्लॉक कार्यालय में ही मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। दिलीप के साथ नामांकन दाखिल करने तमाम भाजपा नेता गए थे। इससे पहले दिलीप गौसपुर कटहुला के निवर्तमान प्रधान रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि वह 20 साल से राजनीति में हैं और भाजपा छोड़ किसी भी दल में कभी नहीं गए हैं। इसी के साथ चायल जिले का पहला ऐसा ब्लॉक बन गया है, जहां इस चुनाव में किसी का निर्विरोध निर्वाचन होने जा रहा है। बाकी सभी जगहों पर दो अथवा तीन उम्मीदवारों के बीच मुकाबला है। जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव की तरह ही ब्लॉक प्रमुख चुनाव में भी समाजवादी पार्टी को झटका लगा है। टिकट मिलने के बाद भी प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल नहीं किया। जिसे अपने निजी स्वार्थ के कारण पार्टी प्रत्याशी रहकर भी सपा को गुमराह करते रह गए।

पेट्रोल डीजल के दामों की वृद्धि के विरुद्ध प्रदेश युवा कांग्रेस का अनूठा प्रदर्शन

बीकानेर/राजस्थान। पेट्रोल डीजल के दामों की वृद्धि के विरुद्ध प्रदेश युवा कांग्रेस का अनूठा प्रदर्शन।ओर अचानक सादुल सिंह सर्किल पर मोटरसाइकिल में लगा दी आग। कांग्रेसी कार्यकताओं ने क्रिकेट के बैट पर कीमतों के शतक पार करने पर अभिवादन करते हुए आमजन को मूल्यवृद्धि से अवगत करवाया। तो वहीं सादुलसिंह सर्किल ऊंट गाड़ों पर दुपहिया वाहन रखकर रैली निकालकर अनूठा प्रदर्शन किया। बाद में मोटरसाइकिल के आग लगाकर बढ़ती कीमतों के लिये मोदी सरकार को दोषी ठहराया। युवाओं ने रोष जताया कि मोदी ने कोरोना की इस विपदा में आमजन को राहत देने की बजाय पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्य वृद्धि कर बेतहाशा महंगाई बढ़ाने का कार्य किया है जिससे मध्यमवर्ग की कमर टूट गयी है जिससे आमजन की आजीविका पर विपरीत प्रभाव पड़ा है अतः कुम्भकर्णी नींद सोई बीजेपी सरकार को जगाने हेतु आज प्रदर्शन कर शीघ्र मूल्यवृद्धि वापिस लेने की मांग की। बीकानेर। राजस्थान युवा कांग्रेस के बैनर तले प्रदेश उपाध्यक्ष अरुण व्यास के नेतृत्व में सारण पेट्रोल पंप चौखूंटी पुल के पास पेट्रोल-डीजल व रसोई गैस के दामों के वृद्धि के विरुद्ध अनूठा प्रदर्शन किया। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अमित शाह के मुखोटा लगाकर क्रिकेट के बैट पर मोदी पेट्रोल 110 रुपये नाबाद व शाह डीजल 101 नाबाद के शतक अभिवादन करते हुए आमजन को मूल्यवृद्धि से अवगत करवाया।

मधुबनी हलचल

दरभंगा के पुरानी मुंसिफी और उर्दू बाजार में अन्तराजीय गाड़ी चोर गिरोह का है बसेरा, स्थानीय लोगों ने एसपी से लगाई गुहार

मधुबनी। पिछले कुछ दिनों से दरभंगा जिला में अपराध बढ़ता जा रहा है। दरभंगा जैसी जगहों पर अन्तराजीय गाड़ी चोर गिरोह ने बसेरा बना लिया है। कुछ स्थानीय लोगों ने अपना नाम गोपनीय रखने की बात करते हुए बताया कि पिछले कुछ दिनों से सीतामढ़ी निवासी हिस्ट्रीशीटर नैयर इमाम शहर के बीचो बीच पुरानी मुंसिफी और उर्दू बाजार में अपने गिरोह के साथ रह रहा है और यहीं से पूरे बिहार में इसका गिरोह गाड़ी चोरी कर अपराध की घटना अंजाम दे रहा है। लोगों ने बताया कि नैयर इमाम के इस गाड़ी चोर गिरोह का सहयोग उर्दू मोहल्ला और पुरानी मुंसिफी के हिस्ट्रीशीटर भू-माफिया कर रहे हैं। जिससे स्थानीय लोगों में गुस्सा के साथ साथ अपराधियों के बढ़ते मनोबल को लेकर दहशत भी बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने दरभंगा के वरीय पुलिस अधीक्षक

से इस मामले में गुहार लगाते हुए अपील किया है कि अपने स्तर से गोपनीय जांच कराकर इस अन्तराजीय गाड़ी चोर गिरोह का पदार्फाश करें साथ ही इसमें शामिल सभी चोर को सख्त से सख्त कानूनी सजा दिलाएं। लोगों ने साफ तौर पर कहा कि नैयर एक पुराना अपराधी है और इस पर हैदराबाद, नेपाल से लेकर भारत के विभिन्न थानों में मुकदमा दर्ज है। एसपी साहब इसे गंभीरता से लेते हुए ऐसे अपराधी पर लगाम लगाएं और जो भी ऐसे अपराधी को संरक्षण दे रहा है उस पर भी कानूनी कार्रवाई करें ताकि दरभंगा से अपराध खत्म हो और शहर में फल फूल रहे अन्तराजीय गाड़ी चोर गिरोह से शहर के लोगों को भी छुटकारा मिल सके। नैयर इमाम सीतामढ़ी जिला के बालासाथ का रहने वाला है पिछले काफी दिनों से दरभंगा शहर से ही अपने अपराध की दुकान चला रहा है।

सम्भल हलचल

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल गफूर को पेश की खिराजे अकीदत

दै.मुंबई हलचल/संवाददाता

सम्भल। यूपी के जनपद सम्भल की नगर पँचायत नरौली में समाज सेवी इसरार उलहक उर्फ मुन्ने भाई जान की कोठी पर हक परिवार की और से बिहार प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मरहूम अब्दुल गफूर साहब को उनकी सौलहवीं बरसीं पर खिराजे अकीदत पेश की गई। मौहम्मद अरमान उल हक ने पूर्व मुख्यमंत्री के जीवन पर प्रकाश डाला और कहा कि भारत को आजाद कराने में अब्दुल गफूर साहब का अहम योगदान रहा अपने मुल्क भारत को आजाद कराने के लिए जेल भी गये दस जुलाई 1973 से 11 अप्रैल 1975 तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे युवाओं से उनके बताये मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस दौरान समाजसेवी इसरार उलहक उर्फ मुन्ने भाईजान पत्रकार मौहम्मद अरमान उल हक, वरिष्ठ सपा नेता राशिद हुसैन, अजहर उलहक, बॉबी, वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव राघव, सतेंद्र शर्मा, हारून खान एडवोकेट, मोहसिन उल हक,जुनैद कुरैशी, बिलाल अहमद शाह, कारी अहसान अन्सारी,कमर अली,कारी इम्तियाज अन्सारी आदि लोग मौजूद रहे।

रामपुर हलचल

चोरी की घटनाएं होने का सिलसिला जारी

संवाददाता/नदीम अख़्तर

टाण्डा (रामपुर)। कोतवाली अंतर्गत आस पास के ग्रामों में चोरी की घटनाऐं होने का सिल्सिला जारी, चोरों के होंसले हैं बुलंद, चोरों को पकड़ पाने में पुलिस होती दिखाई दे रही हैं विकल। कोतवाली अंतर्गत आस पास के ग्रामों में चोरी की घटनाऐं होने का क्रम बीच बीच में है लगातार जारी है पुलिस विभाग की लापरवाही के चलते चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है चोर भी पुलिस की पकड़ से बाहर है क्षेत्र में चोरी की घटनाओं को लेकर हड़कम्प मचा हुआ है ग्राम सेढूवाला न्यूलाइट पापा कारखाना, ग्राम चन्दूपुरा में चोरों द्वारा चोरी की घटना को अन्जाम दिया जा सका है जिसमें नकदी रकम सोना चांदी के आभूषण सहित चोरी कर ले गये मामले से सम्बंधित पुलिस को अवगत करा दिया गया है पुलिस के प्रति क्षेत्रवासियों में रोष व्याप्त है।

मधुबनी हलचल

वर्ग 1 से 10 के लिए निजी स्कूलों को खोलने के मिले अनुमतिः जिला अध्यक्ष मंजूर आलम

मधुबनी। बिहार पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मंजूर आलम ने जिला कार्यालय लहरिया गंज मधुबनी में उपस्थित निजी स्कूल के संचालक प्राचार्य एवं शिक्षकों की एक बैठक में सरकार से कक्षा 1 से 10 तक के लिए निजी विद्यालयों को खोलने की अविलंब मांग की ताकि बच्चों का पठन-पाठन सुचारू ढंग से आरंभ हो सके। लगभग डेढ़ सालों से विद्यालय संचालित नहीं हो पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में बच्चे एवं अभिभावक भी परेशान हैं, साथ ही बच्चों की पढ़ाई भी बाधित है जबकि बिहार प्रदेश में कोरोना की स्थिति भी अब नियंत्रण में है। बैठक में सचिव राशिद हुसैन संचालक सह बिस्फी अध्यक्ष श्री ललित कुमार आइडियल पब्लिक स्कूल के प्राचार्य श्री संजीव कुमार संचालक रविंद्र कुमार यादव मोहम्मद नूर उद्दीन अंसारी, श्री मनीष कुमार, श्री आनंद कुमार झा एवं मोहम्मद इरफान आदि उपस्थित थे।

बिहार के नियोजित शिक्षकों को मिले राज्य कर्मियों का दर्जा: मशकूर आलम

मधुबनी। बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई मधुबनी के जिला अध्यक्ष मशकूर आलम ने बिहार सरकार से मांग की के बिहार के नियोजित शिक्षकों कों राज्य कर्मी दर्जा न देकर हम शिक्षकों के साथ सौतेला व्यबहार कर रही है, अगर हम शिक्षकों को राज्य कर्मियों का दर्जा मिल जाता तो बहुत सारे लाभ प्राप्त हो जाता हमारे शिक्षक जो किसी और नौकरी में जाना चाहते हैं और उर्म सिमा को पार कर चुके हैं उसे 5 वर्षों का लाभ मिलता जाता है, सरकार कभी कभी कहती है के नियोजित शिक्षक सरकारी कर्मी हैं और जब लाभ लेने हमारे शिक्षक जातें हैं तब पता चलता है के हम नियोजित कर्मी हैं। विडम्बना है 60 वर्षा तक हम शिक्षक नौकरी करेंगे वह भी नियोजित। पेंशन का लाभ लंबी लड़ाई के फलस्वरूप मिला वो भी चाइनीज, 2003 से 2015 जो वेतन मिला वह एक मुस्त था और 2015 में जो वेतनमान मिला वो चाइनीज। विडम्बना है हम शिक्षक कैसी नौकरी कर रहे हैं जो बधुवा मजदूर से भी बत्तर है, सरकार के राजनीति चाल के वजह से ही सुप्रीम कोर्ट में हमारी हार हुई, सरकार से हम कहना चाहते हैं के हम शिक्षक भी सरकार के अंग हैं हमें राष्ट्रीय निमार्ता कहा जाता है, हमारे साथ सौतेला व्यबहार न करें, हम शिक्षकों को राज्य कर्मा का दर्जा यथा शिघ्र देने की कृपा करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

क्यों झड़ते हैं आइब्रो के बाल? जानिए इसके उपाय

आइब्रोज बढ़ाने के घरेलू उपाय : चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने में आइब्रो का बहुत खास महत्व होता है। मगर कुछ लड़कियों के आईब्रोज के बाल झड़ने लगते हैं। इससे पूरे चेहरे की ही लुक खराब हो जाती है। सुंदरता को बढ़ाने और आईब्रो को घना बनाने के लिए लोग कई तरह के तरीके अपनाने लगते हैं लेकिन किसी भी प्रॉब्लम का हल तभी निकलता है जब उसकी जड़ का पता चले। ऐसे में आज हम आपको आईब्रो के बाल झड़ने का कारण बताएंगे।

तो चलिए जानते हैं वह कौन से कारण है जिनकी वजह से बाल झड़ने लगते हैं।

1. तनाव
आइब्रो के बाल झड़ने का सबसे बड़ा कारण है तनाव। जी हां, जैसे ज्यादा टैंशन लेने से सिर के बाल झड़ने लगते हैं ठीक वैसे ही मानसिक और शारीरिक तनाव के कारण बाल झड़ने लगते हैं।

2. प्लकिंग
आइब्रो को शेप देने के लिए प्लकिंग सबसे बढ़िया तरीका है। मगर जरूरत से ज्यादा प्लकिंग का इस्तेमाल करने से आइब्रो के बाल झड़ने लगते हैं।

3. पोषण तत्वों की कमी
पोषण और विटामिन की कमी जैसे जिंक, आयरन, विटामिन डी, विटामिन बी12 की से भी आइब्रो के बाल झड़ते हैं।

4. खारिश के कारण
कई बार एचिंग यानी की खारिश की वजह से भी बाल झड़ने लगते हैं। सुंदर आइब्रो चाहिए तो खारिश होने पर हल्का-हल्का रब करें। जरूरत से ज्यादा खारिश करने पर नुकसान हो सकता है।

आइब्रो के बालों झड़ने से रोकने के घरेलू नुस्खे

1.ऑलिव ऑयल
ऑलिव ऑयल में विटामिन ई की भरपूर मात्रा होती है जो कि बालों को झड़ने से रोकता है। 1 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल लेकर हल्के हाथों से आइब्रो पर सर्कुलर मोशन में मसाज करें और 30 मिनट के लिए तेल को लगा रहने दें। फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

2 . एलोवेरा जेल
एलोवेरा जेल में पाए जाने वाले पौषक तत्व बालों को मजबूत करने का काम करते हैं। आइब्रो पर एलोवेरा जेल लगाकर मसाज करें और 30 मिनट के लिए के बाद पानी से इसे धो लें।

3. दूध
दूध भी बालों को मजबूत बनाता है। आइब्रो के बाले को झड़ने से रोकने के लिए कॉटन में थोड़ा सा कच्चा दूध लगाकर लगाएं। तकरीबन 20 मिनट के बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें। लगातार यह तरीका अपनाने से आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

4. अंडे की जर्दी
अंडे में विटामिन डी और प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। अंडे को कॉटन की मदद से आइब्रो पर लगाएं। लगभग 20 मिनट के बाद ठंडे पानी से चेहरा साफ करें।

बारिश के मौसम में दही खाना चाहिए या नही ?

बारिश के मौसम में फूड प्वाइजनिंग होने का खतरा रहता है। यही वजह है कि अधिकतर लोग अपने खान-पान का बहुत ध्यान रखते हैं। वह अक्सर इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि इस मौसम में दही खाना चाहिए की नहीं। अगर आप भी सोचते हैं कि इन दिनों में दही नही खाना चाहिए तो यह आपकी गलतफहमी है। मगर बारिश के मौसम में रात के समय में दही खाने से बचें। केवल दिन के समय ही दही का सेवन करें। डायरिया और फूड प्वॉइजनिंग के मरीजों के लिए दही का सेवन बेहतर है। इसके अलावा भी दही खाने से कई फायदे होते हैं।

1. पाचन शक्ति बढ़ाएं
रोजाना दही का सेवन करने से पाचन शक्ति मजबूत होती है। इसके साथ ही दही पेट में होने वाले इंफैक्शन से भी बचाता है। जिन लोगों को भूख नहीं लगती उनको दहीं खाना चाहिए। दिन में सिर्फ 1 कटोरी दही खाने से पेट से संबंधित सारी समस्याएं दूर हो जाएंगी।

2. मुंह के छालों में राहत
अक्सर गर्मियों के मौसम में मुंह में छाले हो जाते हैं। इन छालों से राहत पाने के लिए दही और शहद को बराबर मात्रा में मिलाकर खाने से फायदा होगा। आप चाहें तो दही की मलाई भी छालों पर लगा सकते हैं।

3. सेहतमंद दिल
दही में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत कम होती है। इससे ब्लड प्रेशर ठीक रहता है। स्वस्थ रहने के लिए रोजाना दही का सेवन करना शुरू करें। दही खाने से हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर और गुर्दे की बीमारियां नहीं होती।

4. मोटापा करें कम
जल्दी से वजन कम करना चाहते हैं तो दही का सेवन करें। इसमें कैल्शियम पाया जाता है जो शरीर में फालतू चर्बी को नहीं बढ़ने देता। यही कारण है कि डॉक्टर भी मोटे लोगों को दही खाने के लिए कहते हैं।

5. दांतों और हड्डियों को मजबूती
दही का सेवन दांतों और हड्डियों के लिए भी अच्छा होता है। यूं तो शरीर के लिए सारे ही डेयरी प्रॉडक्ट्स अच्छे होते हैं लेकिन दही में कैल्शियम और फास्फोरस की उच्च मात्रा होती है जो दांतों और हड्डियों के लिए अच्छा होता है।

औरतों को क्यों होती है थायराइड की समस्या और कैसे करें इलाज ?

थायराइड एक ऐसी समस्या है जोकि आजकल लोगों में आम देखने को मिलती है। मगर पुरूषों की तुलना में महिलाओं में थायराइड की समस्या ज्यादा देखने को मिल रही है। थायराइड ग्लैंड में हार्मोन का संतुलन बिगड़ जाने के कारण यह समस्या होती है। बढ़ती उम्र के साथ महिलाओं में थायराइड का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में उन्हें इसके बारे में पूरी जानकारी होना बहुत जरूरी है।

साइलेंट किलर है थायराइड

वैसे तो यह प्रॉब्लम किसी को भी हो सकती है लेकिन महिलाओं में थायराइड की समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। यह एक ऐसी साइलेंट कंडीशन है, जिसमें लक्षण धीरे-धीरे दिखाई देती हैं। थायराइड तितली के आकार का गले में मौजूद बॉडी का मेन एंडोक्राइन ग्लैंड है। इसमें थायरायड हार्मोन निकलता है जो मेटाबॉलिज्म रेट को कंट्रोल करता है। इसके कारण महिलाओं को बहुत से परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

थायराइड के कारण

महिलाओं को थायराइड की समस्या काबोर्हाइड्रेट्स का सेवन न करने, ज्यादा नमक या सी फूड खाने और हाशिमोटो रोग के कारण हो सकती है। इसके अलावा शरीर में आयोडीन और विटामिन बी12 के कमी कारण भी महिलाओं में थायराइड का खतरा बढ़ जाता है।

ये होते हैं थायराइड के लक्षण

अगर आपको कमजोरी, थकान लगना, डिप्रैशन, तनाव, नींद न आना, सिर दर्द या गर्दन में दर्द हो तो यह थायराइड का संकेत है। महिलाओं में अनियमित पीरियड्स भी इसी बीमारी का लक्षण है। इसके अलावा इस बीमारी में पेट की गड़बड़ी, जोड़ो मे दर्द रहना, वजन का बढ़ना या कम होना, मांसपेशियों का कमजोर होना, आंखो और चेहरे पर सूजन रहना जैसे लक्षण भी दिखाई देते हैं।

थायराइड के लिए घरेलू इलाज

1. हल्दी वाला दूध
रोजाना हल्दी वाला दूध पीने से भी थायराइड कंट्रोल में रहता है। अगर आप हल्दी वाला दूध नहीं पीना चाहती तो आप हल्की को भून कर भी खा सकती हैं। इससे भी थायराइड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

2. मुलेठी का सेवन
थायराइड के मरीज जल्दी थक जाते हैं। ऐसे में मुलेठी का सेवन आपके लिए बेहद फायदेमंद होगा। इसमें मौजूद तत्व थायराइड

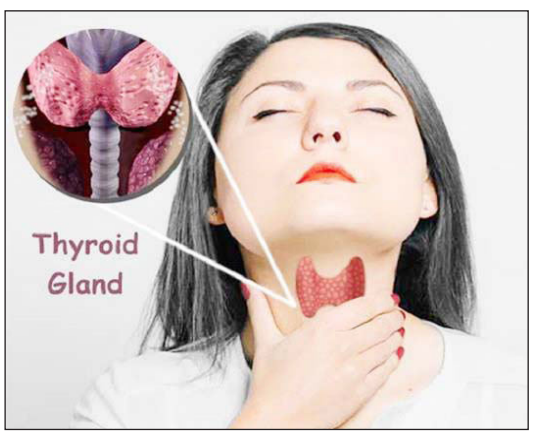

ग्रंथी को संतुलित करके थकान को उर्जा में बदल देते हैं।

3. प्याज से मसाज
थायराइड को कंट्रोल करने के लिए सबसे अच्छा तरीका है प्याज। इसके लिए प्याज को दो हिस्सों में काटकर सोने से पहले थायराइड ग्लैंड के आस-पास क्लॉक वाइज मसाज करें। मसाज के बाद गर्दन को धोने की बजाए रातभर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। कुछ दिन लगातार ऐसे करने से आपको इसके नतीजे दिखने शुरू हो जाएंगें।

4. गेहूं और ज्वार
गेहूं और ज्वार आयुर्वेद में थायराइड की समस्या को दूर करने का बेहतर और सरल प्राकृतिक उपाय है। इसके अलावा यह साइनस, उच्च रक्तचाप और खून की कमी जैसी समस्याओं को रोकने में भी प्रभावी रूप से काम करता है।

5. हरा धनिया
थाइराइड का घरेलू इलाज करने के लिए हरा धनिया को पीसकर उसकी चटनी बना लें। इसे 1 गिलास पानी में घोलकर रोजाना पीने से थायराइड कंट्रोल में रहेगा। आप चाहे तो चटनी का सेवन खाने के साथ भी कर सकती हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

... हॉलीवुड की उड़ान

आलिया भट्ट ने अपनी एक्टिंग के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में एक अलग ही पहचान बनाई हैं। उनके पास इस समय कई प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई हैं। वह जल्द ही फिल्म 'आरआरआर' से साउथ इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने जा रही हैं। वहीं अब खबरें आ रही है कि आलिया भट्ट हॉलीवुड में भी उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। खबरों के अनुसार आलिया भट्ट ने एक लीडिंग इंटरनेशनल टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी डब्लूएमई के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। यह सबसे पुरानी टैलेंट एजेंसी है जो स्पोर्ट्स, ईवेंट, मीडिया और फैशन को मैनेज करती है। एक्ट्रेस फ्रीडा पिंटो को भी इसी एजेंसी ने साइन किया था। आलिया भट्ट ने हाल ही में अपना प्रोडक्शन हाउस भी लॉन्च किया है। इस प्रोडक्शन हाउस के तहत वह फिल्म 'डार्लिंग्स' का निर्माण कर रही हैं। इस फिल्म में आलिया भट्ट एक्टिंग भी करती नजर आएंगी।

मां बनने वाली हैं एवलिन शर्मा

बॉलीवुड एक्ट्रेस एवलिन शर्मा के घर जल्द ही किलकारी गूंजने वाली है। एवलिन शर्मा प्रेग्नेंट हैं और अपनी जिंदगी की इस नई जर्नी को एंजॉय करने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने यह गुड न्यूज फैंस को दी है। एवलिन ने कहा, मैं तो चांद पर होने जैसा महसूस कर रही हूं। यह मेरे बर्थडे का सबसे खूबसूरत तोहफा है। हम हर पल अपने आने वाले कल के लिए तैयार है। जैसे ही देश के बॉर्डर खुलेंगे हम अपने न्यूबॉर्न बेबी के साथ परिवार और दोस्तों से मिलेंगे। एवलिन ने ये भी बताया कि वह कोविड से पहले की अपनी लाइफ मिस कर रही हैं।

नोरा फतेही ने रिजेक्ट कर दी टाइगर श्रॉफ की 'गणपत'

नोरा फतेही कड़ी मेहनत के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हुई हैं। उन्होंने अपने डांस नंबर से एक अलग मुकाम हासिल किया है। आज लगभग हर फिल्म में नोरा का एक डांस नंबर होता है। इसके अलावा वह फिल्मों में एक्टिंग भी कर चुकी हैं। हाल ही में खबर आई थी कि नोरा फतेही को टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'गणपत' के लिए भी अप्रोच किया था। लेकिन नोरा ने इस फिल्म को करने से मना कर दिया है। खबरों के अनुसार इस फिल्म में अपने किरदार को सुनने के बाद नोरा फतेही ने इसे करने से मना कर दिया था। नोरा की ऑनस्क्रीन टाइमिंग काफी कम थी, जिसके बाद एक्ट्रेस ने इसे रिजेक्ट कर दिया। वर्कफ्रंट की बात करें तो नोरा फतेही इन दिनों टी-सीरीज के साथ म्यूजिक वीडियो में काम कर रही हैं। वह जल्द ही अजय देवगन की फिल्म 'भुज' में नजर आएंगी। उन्हें जॉन अब्राहम की फिल्म सत्यमेव जयते 2 में भी देखा जाएगा।

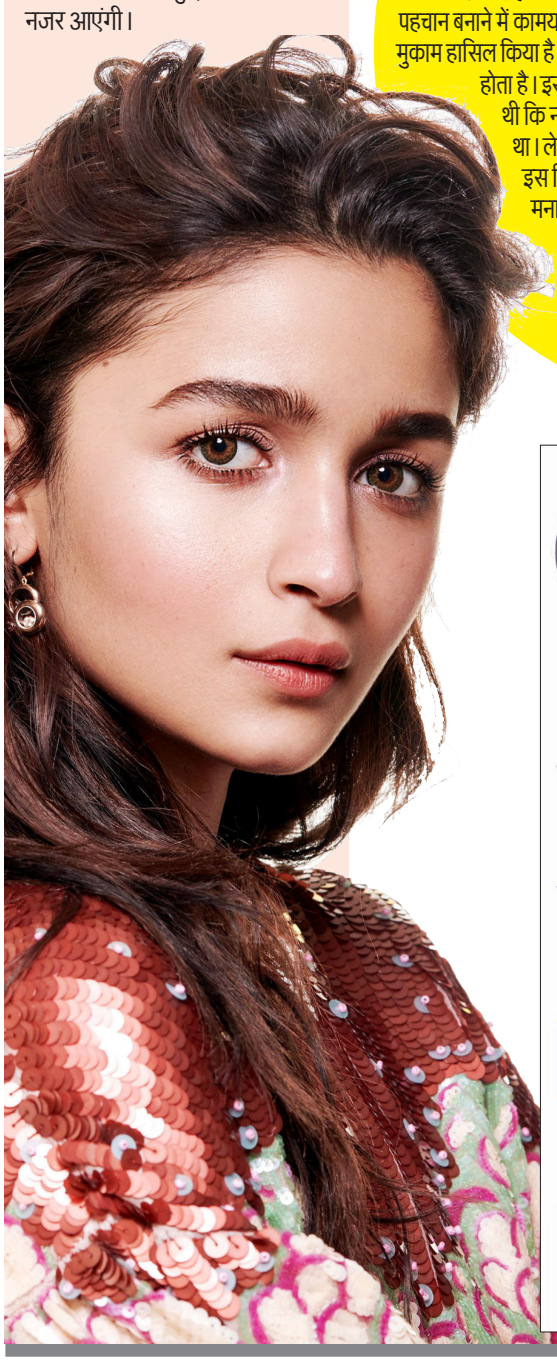

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D. JALAN COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE
A sister concern of S. J. PODDAR ACADEMY (ICSE)
Estd. : 2011
Admissions Open for Academic Year 2021-2022
F.Y.J.C. / S.Y.J.C. (Science & Commerce)
B.M.S. / B.A.F. / B.Sc. (I.T.)
B.Com. / B.Sc. (CBZ)
COLLEGE CODE : 527
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai – 400097.
Phone No.: 022- 40476030
www.gdjalan.edu.in